



Sept. oct.

# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 1 सितम्बर, 2006/10 भाद्रपद, 1928

हिमाचल प्रदेश सरकार

परिवहन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 26 जुलाई, 2006

संख्या टी0पी0टी0एफ0 (6) 2/2000.—प्रारूप संशोधन नियम नामतः हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान (प्रथम संशोधन) नियम, 2006, हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम, 1972 की धारा 21 के उपबन्धों के अनुसरण में समसंख्यक अधिसूचना तारीख 27-5-2006 द्वारा इनसे सम्भाव्य प्रभावित व्यक्तियों से हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम, 1972 की धारा 21 के अधीन यथा अपेक्षित, इनके प्रकाशन की तारीख से 30 दिन की अवधि के भीतर आक्षेप और सुझाव आमन्त्रित करने के लिए राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण) में 17-6-2006 को प्रकाशित किए गए थे।

2. विधित अवधि के भीतर उक्त प्रारूप नियमों से सम्बन्धित जन-साधारण से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर सरकार द्वारा विचार किया जा चुका है।

3. अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम, 1972 की धारा 21 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं :—

1. संक्षिप्त नाम.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान (प्रथम संशोधन) नियम, 2006 है।

(2) यह नियम जुलाई, 2002 के 31वें दिवस को प्रवृत्त होगा और सदैव प्रवृत्त हुआ समझा जाएगा।

2. नियम 4-क का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान नियम, 1974 के विद्यमान नियम 4-क के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“4-क कर के संदाय में विलम्ब के लिए शास्ति.—यदि मोटरयान का स्वामी अधिनियम की धारा 3 के अधीन देय कर का संदाय, उक्त नियमों के नियम 4 में विनिर्दिष्ट समय के भीतर या अधिनियम की धारा 3-क के अधीन धारा 3-क की उप-धारा (2) के उपबन्धों के अनुसार अधिसूचित विनिर्दिष्ट तारीख तक करने में असफल रहता है तो कराधायक प्राधिकारी सुनवाई का युक्ति-युक्त अवसर देने के पश्चात् स्वामी की शास्ति को उससे देय कर के 25 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से संदत्त करने के निर्देश देगा :

परन्तु यह कि इस प्रकार उद्गूहित शास्ति दिन-प्रतिदिन के आधार पर आनुपालिक रूप में परिकालित/संगणित की जाएगी, यदि विलम्ब अवधि एक वर्ष से कम है और यह ऐसे स्वामी से शास्ति की संगणना के समय पर देय कर की राशि से अधिक नहीं होगी :

परन्तु यह और भी कि शास्ति प्रत्येक मास की 16 तारीख को संगणित की जाएगी जो कि शास्ति के परिकलन के प्रयोजन के लिए परिनिश्चित समय बिन्दु होगी और शास्ति की ऊपरी सीमा, शास्ति की संगणना की तारीख को देय कर का सचयी बकाया होगी।”

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
प्रधान सचिव (परिवहन)।